

पञ्जावली पेरा दुवी । अरुण ते कोड उरुविय  
 वरी । अर-वा ( मावाज लगवाइ गयी ।  
 मायालय समय नरु कोड श्री पञ्जाक  
 अस्थित वरी लेने के काले पुकल अदम  
 लजरी अदम पैरवी ने-वर्गिन गिया जाता है ।  
 पञ्जावली के सल सुमाल होकर नम्रुए से मरु  
 डि जाकल दक्षक दक्षिणा वे । ✓

